

प्री-बोर्ड परीक्षा सत्र 2025

विषय - हिन्दी

समय 3.15 मिनट

कक्षा-10

पूर्णांक: 70

नोट:-1. प्रश्न-पत्र दो खण्ड (अ) तथा खण्ड (ब) में विभाजित है।

2. प्रश्न-पत्र के खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। जिसमें सही चयन करके OMR शीट पर नीले अथवा काले पेन से सही गोले को पूर्ण रूप से काला करें।
3. ओ०एम०आर० शीट पर उत्तर अंकित किए जाने को पश्चात् उसे में इरेजर (Eraser) एवं व्हाइटनर (Whitener) आदि का प्रयोग न करें।
4. प्रत्येक प्रश्न-पत्र के सम्मुख उनके निर्धारित अंक दिए गए हैं।

(खण्ड-अ-बहुविकल्पीय प्रश्न)

1×20=20

1. "प्रेमसागर" के रचनाकार हैं-

(अ) सदल मिश्र	(ब) सदासुखलाल
(स) रामप्रसाद	(द) लल्लूलाल
2. "आवारा मसीहा" किस विद्या की रचना है?

(अ) आत्मकथा	(ब) संस्मरण
(स) जीवनी	(द) रिपोर्टाज
3. "शुक्ल युग" का नामकरण किस विद्वान् के नाम पर किया गया?

(अ) वंशीधर शुक्ल	(ब) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(स) बैकुण्ठनाथ शुक्ल	(द) रामचरण शुक्ल
4. शुक्ल युग का नाम नहीं है:-

(अ) निराला युग	(ब) छायावाद युग
(स) प्रेमचन्द युग	(द) प्रसाद युग

5. आलोचना सम्राट कहा जाता है:-
(अ) महावीर प्रसाद द्विवेदी (ब) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(स) प्रताप नारायण मिश्र (द) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
6. निम्नलिखित रचनाओं में खण्डकाव्य हैं:-
(अ) साकेत (ब) प्रिय प्रवास
(स) रश्मि रथी (द) कुरुक्षेत्र
7. 'स्वर्णयुग' कहा जाता है:-
(अ) आधुनिककाल (ब) भक्तिकाल
(स) रीतिकाल (द) आदिकाल
8. "उद्धव-शतक" के रचनाकार हैं:-
(अ) रत्नाकार (ब) हरिऔध
(स) जयशंकर प्रसाद (द) मैथिलीशरण गुप्त
9. "कीर्तिलता" के रचयिता का नाम है:-
(अ) विजय सेन सूरि (ब) अमीर खुसरो
(स) नरपति नाल्ह (द) विद्यापति
10. हिन्दी का प्रथम महाकाव्य है:-
(अ) रामचरित मानस (ब) पद्मावत
(स) पृथ्वीराज रासो (द) साकेत
11. करुण रस का स्थायी भाव है:-
(अ) रौद्र (ब) शोक
(स) निर्वेद (द) जुगुप्सा

12. उदित उदय गिरि मंच पर रघुबर बाल पतंगा।
बिकसे सन्त सरोज सब हरसे लोचन भंगा।
- (अ) रूपक (ब) श्लेष
(स) उत्प्रेक्षा (द) उपमा
13. दोहे का उल्टा होता है:-
- (अ) चौपाई (ब) रोला
(स) कुण्डलियाँ (द) सोरठा
14. 'उपवन' में उपसर्ग है:-
- (अ) वन (ब) उ
(स) उप (द) न
15. "दशानन" में समास हैं:-
- (अ) द्विगु (ब) बहुव्रीहि
(स) तत्पुरुष (द) द्वन्द्व
16. "मछली" का तत्सम शब्द है:-
- (अ) मत्स्य (ब) मत्सय
(स) मीन (द) मच्छी
17. 'चन्द्रमा' का पर्यायवाची शब्द है:-
- (अ) विनायक (ब) महेन्द्र
(स) सुधा (द) शशांक

18. "पठन्ति" में विभक्ति एवं वचन हैं:-

(अ) प्रथम पुरुष द्विवचन (ब) उत्तम पुरुष बहुवचन

(स) प्रथम पुरुष एकवचन (द) मध्यम पुरुष द्विवचन

19. "मतीनाम्" है:-

(अ) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन (ब) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(स) पंचमी विभक्ति, बहुवचन (द) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन

20. स्वागतम् में सन्धि है:-

(अ) यण् (ब) वृद्धि

(स) गुण (द) दीर्घ

(खण्ड-ब-वर्णानात्मक प्रश्न)

21. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:- $3 \times 2 = 6$

मानव मन सदा से ही अज्ञात के रहस्यों को खोलने और जानने-समझने को उत्सुक रहा है। जहाँ तक वह नहीं पहुँच सकता था वहाँ वह कल्पना के पंखों पर उड़कर पहुँचा। उसकी अनगढ़ और अविश्वनीय कथाएँ उसे सत्य के निकट पहुँचाने, में प्रेरणा-शक्ति का काम करती रहीं।

1. उपर्युक्त गद्यावतरण का संदर्भ लिखिए।

2. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

3. मानव मन किसके लिए उत्सुक था?

अथवा

ईर्ष्या की बड़ी बेटी का नाम निन्दा है। जो व्यक्ति ईर्ष्यालु होता है वहीं ब्रे किस्म का निन्दक भी होता है। दूसरों की निन्दा वह इसलिए करता है कि इस प्रकार, दूसरे लोग जनता अथवा मित्रों की आँखों में गिर जायेंगे और जो स्थान रिक्त होगा, उस पर मैं अनायास ही बैठा दिया जाऊँगा।

1. प्रस्तुत गद्यावतरण का संदर्भ लिखिए।
2. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
3. ईर्ष्यालु व्यक्ति दूसरों की निन्दा क्यों करता है?

22. दिए गए पद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- 3×2=6

ऐसा रण, राणा करता था, पर उसको था सन्तोष नहीं।

क्षण-क्षण आगे बढ़ता था वह, पर कम होता था रोष नहीं।।

कहता था लड़ता मान कहाँ, मैं कर लूँ रक्त-स्नान कहाँ?

जिस पर तय विजय हमारी है, वह मुगलों का अभिमान कहाँ?

1. उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए।
2. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
3. उपर्युक्त पद्यांश का काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

विषुवत् रेखा का वासी जो, जीता है नित हाँफ-हाँफ कर।

रखता है अनुराग अलौकिक, वह भी अपनी मातृभूमि पर।।

ध्रुव-वासी, जो हिम में तम में, जी लेता है कॉप-कॉप कर।

वह भी अपनी मातृभूमि पर, कर देता है प्राण निछावर ।।

1. उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए।
 2. रेखांकित अंश को व्याख्या कीजिए।
 3. उपर्युक्त पद्यांश को भाषा कौन-सी है?
23. क) दिए गए संस्कृत गद्यांश में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए:- 2+3=5

भारतीय संस्कृतिः तु सर्वेषां मतावलम्बिनां। संगमस्थली। काले-काले
विविधाः विचाराः भारतीयसंस्कृती समाहिताः। एषा संस्कृतिः सामासिकी
संस्कृतिः यस्याः विकासे विविधानां जातीनां, सम्प्रदायानां, विश्वासानाञ्च
योगदानं दृश्यते। अतएव अस्माकं भारतीयानाम् एका संस्कृति एका च
राष्ट्रियता।

अथवा

वाराणसी सुविख्याता प्राचीना नगरी। इयं विमलसलिल तरङ्गायाः
गङ्गायाः कूले स्थिता। अस्याः घट्टानां वलयाकृतिः पङ्क्तिः धवलायां
चन्द्रिकायां बहु राजते। अगणिताः पर्यटकाः सुदूरेभ्यः नित्यम् अत्र आयान्ति,
अस्या घट्टानाञ्चशोभां विलोक्य इमां बहु प्रशंसन्ति।

- (ख) दिए गए पद्यांश में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए:- 2+3=5

माता गुरुतरा भूमेः खात् पितोच्चतरस्तया।
मनः शीघ्रतरं वातात् चिन्ता बहुतरी तृणात् ॥

अथवा

नीर-क्षीर-विवेक हंसालस्यं त्वमेव तनुषेचेत्।
विश्वमिस्मिन्धुनान्यः कुल व्रतं पालयिष्यतिकः ॥

24. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए उनकी किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए 3+1=4

1. डॉ० भगवतशरण उपाध्याय
2. डॉ० राजेन्द्र प्रसाद
3. जयशंकर प्रसाद

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए उनकी दो रचनाओं के नाम लिखिए 3+1=4

1. सूरदास
2. सुभद्रा कुमारी चौहान
3. माखन लाल चतुर्वेदी

25. अपनी पाठ्य-पुस्तक से कतरथ किया हुआ एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो। 2

26. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर संस्कृत में दीजिए। 2

1. पुरु राजः कः आसीत्?
2. पदेन बिना कि दूर याति?
3. चन्द्रशेखरः स्वनाम किम अकथयत्?
4. श्वेतकेतुः कस्य पुत्रः आसीत्?

27. निम्नलिखित में से किसी दो वाक्यों की संस्कृत में अनुवाद कीजिए। 2

1. राम प्रतिदिन विद्यालय जाता है।
2. विद्या विनय देती है।
3. ये दोनों खाते हैं।
4. यह घर गया।

28. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए: 3

खण्डकाव्य के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा

खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

29. अपने लिए पुस्तक खरीदने हेतु अपने पिताजी के लिए एक पत्र लिखिए। 7

अथवा

अपने विद्यालय में खेलकूद सामग्री उपलब्ध कराने हेतु प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

30. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए। 4

(1) पर्यावरण संरक्षण को उपाय

(2) आतंकवाद: कारण एवं निवारण

(3) कम्प्यूटर शिक्षा

(4) नारी सशक्तिकरण